विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -११ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज तत्सम शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे ।

तत्सम शब्द

तत्सम शब्द की परिभाषा

तत्सम शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों, तत् + सम् से मिलकर बना है। तत् का अर्थ है - उसके, तथा सम् का अर्थ है - समान। अर्थात - ज्यों का त्यों। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन के ले लिया जाता है, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। इनमें ध्वनि परिवर्तन नहीं होता है। हिन्दी, बांग्ला, कोंकणी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलुगू, कन्नड, मलयालम, सिंहल आदि में बहुत से शब्द संस्कृत से सीधे ले लिए गये हैं, क्योंकि इनमें से कई भाषाएँ संस्कृत से जन्मी हैं।

जैसे - अग्नि, आम्र, अमूल्य, चंद्र, क्षेत्र, अज्ञान, अन्धकार आदि।

तत्सम शब्द के प्रकार

तत्सम शब्द के दो रूप उपलब्ध है।

1. परम्परागत तत्सम शब्द
2. निर्मित तत्सम शब्द

परम्परागत तत्सम शब्द – जो शब्द संस्कृत साहित्य में उपलब्ध है| जिसका प्रचलन संस्कृत भाषा में है | ऐसे शब्दों को परम्परागत तत्सम शब्द कहते हैं।

निर्मित तत्सम शब्द – निर्मित तत्सम शब्द उस शब्द को कहते है,जो शब्द संस्कृत साहित्य में नहीं है। परंतु संस्कृत शब्दों के समान शब्द निर्मित कर लिये जाते है।

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम :-

(1) तत्सम शब्दों के पीछे ' क्ष ' वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे ' ख ' या ' छ ' शब्द का प्रयोग होता है।

(2) तत्सम शब्दों में ' श्र ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है।

(3) तत्सम शब्दों में ' श ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है।

(4) तत्सम शब्दों में ' ष ' वर्ण का प्रयोग होता है।

(5) तत्सम शब्दों में ' ऋ ' की मात्रा का प्रयोग होता है।

(6) तत्सम शब्दों में ' र ' की मात्रा का प्रयोग होता है।

(7) तत्सम शब्दों में ' व ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' ब ' का प्रयोग होता है।